परियोजना का नाम :– मुख्यमंत्री ग्राम सड़क संयोजन योजना के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकास खण्ड पोखरी में रौता–मालकोटी–सेरा तक मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु 1.098 है० वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

वैकल्पिक संरेखणों को निरस्त किये जाने का प्रमाण–पत्र

प्रस्तावित परियोजना हेतु दो स्थलों पर विचार किया गया। स्थल संख्या–2 से अधिक वृक्ष प्रभावित होते हैं तथा क्षेत्रीय जनता भी इस संरेखण से सहमत नहीं है। जिस पर भू–वैज्ञानिक द्वारा भी इस संरेखण को मार्ग निर्माण हेतु भू–गर्भीय पर्यावरणीय दृष्टिकोण के आधार पर स्थाइत्व के विचार से अनुपयुक्त पाये जाने पर निरस्त किया जाता है। जबकि संरेखण संख्या–1 से कम वृक्ष प्रभावित होते हैं तथा क्षेत्रीय जनता भी इस संरेखण से सहमत है। भू–वैज्ञानिक द्वारा भी इस संरेखण को मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त पाये जाने पर संरेखण संख्या–1 मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त है।

अमीन	कनिष्ठ अभियन्ता	सहायक अभियन्ता	अधिशासी अभियन्ता
नि०ख०,लो०नि०वि०	निर्माण खण्ड लो०नि०वि०	निर्माण खण्ड लो०नि०वि०	निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पोखरी	पोखरी	पोखरी	पोखरी

तुलनात्मक विवरण

क0स0	मद का नाम	संरेखण सं0–1 लाल रंग से	संरेखण सं0 –2
1	2	3	4
1	मुख्य विशेषतायें एवं विवरण	यह संरेखण उडामाण्डा–रौता से मालकोटी–सेरा मोटर मार्ग के कि0मी0 31.00 (है0 6–8) से प्रारम्भ होता है एवं सीधे ग्राम मालकोटी–सेरा को जोड़ता है। इस संरेखण से ग्राम–रौता व मालकोट्टी–सेरा लाभान्वित होगें।	यह संरेखण उडामाण्डा–रौता से मालकोटी–सेरा मोटर मार्ग के कि0मी0 31.00 के (है0 6–8) से प्रारम्भ होता है एवं सीधे ग्राम मालकोटी–सैरा को जोड़ता है। इस संरेखण से ग्राम रौता व मालकोटी–सेरा लाभान्वित होगें।
2	प्रस्तावित दृष्टिकोण से संरेखण की लम्बाई	5.00 किमी0।	5.00 किमी0।
3	वर्तमान यातायात के साधन	पैदल मार्ग	पैदल मार्ग
	भूमि		
1	वन पंचायत भूमि	2.700 कि.मी.	2.000 कि.मी.
2	कृषि योग्य भूमि	2.300 कि.मी.	3.000 कि.मी.
3	आरक्षित भूमि	0.000 कि.मी.	0.000 कि.मी.
4	सूर्य प्रकाशित भूमि	पूर्ण लम्बाई में	पूर्ण लम्बाई में
5	भू–स्खलन	शून्य	शून्य
6	भूमि की संरचना	कठोर चट्टान व मिट्टी एवं बोल्डर	कठोर चट्टान व मिट्टी एवं बोल्डर
7	बनस्पति	कृषि योग्य भूमि पर मुख्यतः स्थानीय फल, गेहूँ, धान, दालें आदि होती हैं तथा चीड़ के वृक्ष एवं झाड़ीयां है ।	कृषि योग्य भूमि पर मुख्यतः स्थानीय फल, गेहूँ, धान, दालें आदि होती है तथा चीड़ के वृक्ष एवं झाड़ीयां है ।
8	मार्ग का ढलान	1:20 तथा 1:40	1:20 तथा 1:40
9	अनुप्रस्थ ढाल	$45^0 - 65^0$	$40^0 - 70^0$
10. 1–	सामान्य ढलान की लम्बाई	4.500 किमी0	3.500 किमी0
2–	तीखे ढलान की लम्बाई	0.500 किमी0	1.500 कि0मी0
11. 1–	कठोर चट्टान की लम्बाई	60 प्रतिशत्	80 प्रतिशत्
2–	कोमल चट्टान की लम्बाई	40 प्रतिशत्	20 प्रतिशत्
12.	अस्थिर भूमि की लम्बाई	शून्य	शून्य
13. 1–	साधन – लकड़ी	उपलब्ध है।	उपलब्ध है।
2–	पत्थर	उपलब्ध है।	उपलब्ध है।
14	स्थानीय मजदूर	70: स्थानीय 30: बाहरी	70: स्थानीय 30: बाहरी

JE

AE

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
पोखरी

1	2	3	4
15	पानी का निकास	शून्य	शून्य
क	छोटा पुल	शून्य	शून्य
ख	कुल संख्या	शून्य	शून्य
ग	एच0पी0 बेण्ड	6 नं0	6 नं0
घ	बड़े पुल	शून्य	शून्य
ड	कुल संख्या	शून्य	शून्य
ट	विस्तार	शून्य	शून्य
16	वर्शा व जलवायु की दषा	वर्षा औसत जलवायु ठण्डी	वर्षा औसत जलवायु ठण्डी
17	लाभान्वित ग्रामों की संख्या	ग्राम रौता व मालकोटी–सेरा लाभान्वित होगें।	ग्राम रौता व मालकोटी–सेरा लाभान्वित होगें।
18	वर्तमान मोटर मार्ग के निर्माणाधीन मोटर मार्ग का सम्बन्ध	यह संरेखण उडामाण्ड़ा–रौता मोटर मार्ग के कि0मी0 31.00 (है0 6–8) में से प्रारम्भ होता है।	यह संरेखण उडामाण्ड़ा–रौता मोटर मार्ग के कि0मी0 31.00 (है0 6–8) से प्रारम्भ होता है।
19	सामरिक महत्व	इस मार्ग के बनने से सुदूर क्षेत्र के ग्रामों को यातायात की सुविधा होगी तथा सामरिक रुप से महत्वपूर्ण मार्ग होगा।	इस मार्ग के बनने से सुदूर क्षेत्र के ग्रामों को यातायात की सुविधा होगी तथा सामरिक रुप से महत्वपूर्ण मार्ग होगा।
20	कृषि एवं फल की दृष्टि	इस क्षैत्र की मुख्य कृषि सम्पदा जैसे गैहुँ, धान, माल्टा, नींबू, आलू, दाले आदि स्थानीय उत्पादन को बाजार पहुँचने में सुविधा मिलेगी।	इस क्षैत्र की मुख्य कृषि सम्पदा जैसे गैहुँ, धान माल्टा, नींबू, आलू, दाले आदि स्थानीय उत्पादन को बाजार पहुँचने में सुविधा मिलेगी।
21	वन सम्पदा का उपयोग	जड़ी–बूटी व वन सम्पदाओं का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।	जड़ी–बूटी व वन सम्पदाओं का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।
22	खनिज एवं अन्य सम्पदा का उपयोग	उपलब्ध खनिजों का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।	उपलब्ध खनिजों का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।
23	1– लाभ	यह संरेखण तहसील पोखरी के नागपुर क्षेत्र के दर्जनो ग्राम को तहसील पोखरी के अर्न्तगत आने वाले अत्यन्त पिछड़े क्षेत्र ग्राम रौता व मालकोटी–सेरा को जोड़ता है। इस मार्ग के बनने से रौता व मालकोटी–सेरा क्षेत्र की समस्त जनता आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक रुप से लाभान्वित होगी।	यह संरेखण तहसील पोखरी के नागपुर क्षेत्र के दर्जनो ग्राम को तहसील पोखरी के अर्न्तगत आने वाले अत्यन्त पिछड़े क्षेत्र रौता व मालकोटी–सेरा को जोड़ता है। इस मार्ग के बनने से रौता व मालकोटी–सेरा क्षेत्र की समस्त जनता आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक रुप से लाभान्वित होगी।
	2–हानि	ग्रामवासी इस संरेखण से सहमत हैं। इस संरेखण में ग्राम सेरा की पेयजल लाइन को मलवे से क्षति होने की सम्भावना है। अतः संरेखण नं0 1 जो लाल रंग से अंकित किया गया है, को स्वीकृत करने की संस्तुति की जाती है।	इस संरेखण में कठोर चट्टान अधिक होने से मार्ग निर्माण की लागत अधिक आयेगी एवं ग्राम सेरा की पेयजल लाइन को मलवे से क्षति होने की सम्भावना है। ग्रामवासी इस संरेखण से सहमत नहीं है। अतः यह संरेखण उपयुक्त नहीं है।

कनिष्ठ अभियन्ता
नि0ख0लो0नि0वि0,पोखरी

सहायक अभियन्ता
नि0ख0लो0नि0वि0,पोखरी

अधिशासी अभियन्ता
नि0ख0लो0नि0वि0,पोखरी